CGPA 2.96

SHRI GOBINDRAM SHADANI
GOVT ARTS AND COMMERCE GIRLS COLLEGE, RAIPUR CG

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
ON

“Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System”

Organized by PM-UShA

Keynote Speaker:

Prof G A Ghanshyam, Joint Dy Higher Education C.G.

Resource Person:

Prof Top Lal Verma, Retd Prof Geography, Raipur
Dr Prashant Shrivastava, Govt VYT Science College Durg
Dr R Brahme, SOS in Economics Pt RSU Raipur
Dr Palak Agrawal, Institut Pasteur, Paris, France
Dr Sushma Shukla, University of Virginia

17 December 2024

पीएम-उषा PM-USHA

ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC CGPA 2.96

SGS Govt Arts and Commerce Girls College, Devendra Nagar Raipur, Chhattisgarh

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)

on

"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts, and Commerce in the Indian Knowledge System"

Patron

Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

Blended mode

Date: 17/12/2024

Organizing Committee

Mrs Usha Agrawal, Dr Sheela Dubey
Dr Meena Pathak, Dr Ranjana Tiwari
Dr M Shrivastava, Dr Kalpana Jha
Dr Ravi Sharma, Dr Anjana Purohit
Dr Sushma Tiwari, Dr Sangita Jha

Convener

Dr Kavita Sharma
PM-UShA Co-ordinator

Co-Convener

Dr B D Thadlani
Dr Cyril Daniel

9826130100, 7000709192, 770588486

"A journey through the timeless Indian knowledge system across disciplines."

About the Conference

"This conference brings together scholars and professionals across science, arts, and commerce to uncover the depth and relevance of the Indian Knowledge System. Through keynote presentation, research presentations, and panel discussions conference aim to bridge ancient wisdom with modern innovation."

Themes:

- **Science:**
  - Traditional Medicine and Modern Health
  - Environmental Knowledge for Sustainability
  - Mathematical & Astronomical Insights
  - Traditional Indian Nutritional Practices
  - Other
- **Arts:**
  - Indian Literature and Philosophy
  - Performing Arts and Cultural Heritage
  - Tools for mental health and stress reduction:Yoga, Meditation, and Pranayama
  - Other
- **Commerce:**
  - Ancient Economic Models
  - Indigenous Knowledge in Modern Management
  - Financial Wisdom & Wealth Management
  - Global Influence of Ancient Indian Commerce
  - Other

Special Features :

- **Paper Submission Deadline**: **02** December 2024
- **Full papers will be published in the Proceedings with ISBN or in Care Journal.**

Registration Fee

Faculty/Industry: 800/-
Research Scholar: 400/-
Students: 200/-

Scan for Registration

श्री गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर

पी एम् उषा द्वारा आयोजित
एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार (ब्लेंडेड मोड)

"रूट्स एंड हॉरिज़ोन्स: एक्सप्लोरिंग साइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम"

दिनांक: 17 दिसंबर 2024
समय: 9 बजे से 6 बजे तक

प्रति,

_____

_____

_____

श्री गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर

पी एम् उषा द्वारा आयोजित
एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार (ब्लेंडेड मोड)
"रूट्स एंड होराइजंस: एक्सप्लोरिंग साइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम"
दिनांक: 17 दिसंबर 2024
समय: 9 बजे से 6 बजे तक

उद्घाटन सत्र: प्रातः 10 बजे से

मुख्य अतिथि
श्री प्रसन्ना आर, आई.ए.एस.
सचिव , उच्च शिक्षा विभाग
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर

समापन सत्र: अपरान्ह 4.30 बजे से

मुख्य अतिथि
श्री लहाराम नैनवानी
प्रदेश अध्यक्ष,

विशिष्ठ अतिथि
श्री सतीश छुगानी एवं श्री मुरलीधर शादीजा
प्रदेश महासचिव,

भारतीय सिन्धु सभा, रायपुर

आपकी गरिमामय उपस्थिति प्रार्थनीय है

डॉ दिनेश कुमार वर्मा
प्राचार्य

सभी को नमस्कार,

हम "मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रूट्स एंड होराइजन्स: एक्सप्लोरिंग साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम" का आयोजन कर रहे हैं।

◇ प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों (Presenters) के लिए: यदि आप सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति देने जा रहे हैं, तो कृपया Jitsi Meet प्लेटफॉर्म से जुड़ें:

🔗 **Jitsi Meet लिंक:**

https://meet.jit.si/sgscollegemultidisciplinaryinternationalconference

◇ स्कॉलर्स/छात्र और दर्शकों के लिए: यदि आप केवल सम्मेलन को लाइव देखना चाहते हैं, तो कृपया हमारे YouTube Live लिंक पर जुड़ें:

📺 **YouTube Live लिंक:**

https://www.youtube.com/live/cLNEBbw9JCo

- महत्वपूर्ण:प्रस्तुतकर्ता (Presenters): कृपया समय पर अपनी प्रस्तुति के लिए Jitsi Meet लिंक से जुड़ें।
- दर्शक: बिना किसी बाधा के लाइव सत्र देखने के लिए YouTube Live लिंक का उपयोग करें।
- आइए, हम सब मिलकर इस सम्मेलन को एक बड़ी सफलता बनाएं! 🎓✨धन्यवाद

CGPA 2.96

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)

Organized by

PM-USHA

17 December 2024

"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"

Organizing Secretory
Dr B D Thadlani, Dr Cyril Daniel
Assistant Professor

Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator

Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया गया जिसका विषय था "रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम"। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर डी के वर्मा के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ कविता शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉक्टर कविता शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस संगोष्ठी में शामिल शोध विद्यार्थी यो की जानकारी दी जिसमें भारत से 220 तथा नीदरलैंड फ्रांस पेरिस किया बोस्टन से विशेषज्ञ तथा शोधार्थी शामिल है। संगोष्ठी के शोध पत्रों का संकलन यूजीसी केयर लिस्ट की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि माननीय सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ प्रसन्ना आर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिव माननीय सचिव प्रसन्ना आर ने संगोष्ठी की तारीफ की तथा कहां nep के बाद इंडियन नॉलेज सिस्टम पर संगोष्ठी का आयोजन बहुत अच्छा विचार है। शोध प्रशंसा की तथा उनका मुख्य ध्यान भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ ज्ञान परंपरा के डॉक्यूमेंटेशन पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक सामाजिक परंपरा में अत्यंत समृद्ध है तथा इसका डॉक्यूमेंटेशन अवश्य किया जाना चाहिए। अतः आवश्यक है कि इससे अन्य संस्कृतियों के साथ मिलकर आगे विकसित किया जाए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन प्रोफेसर जी ए घनश्याम थे। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रारंभ से ही अत्यंत समृद्ध रही है अतः आवश्यक है कि हम इसे वर्तमान ज्ञान के परिपेक्ष में आगे बढ़ाएं। उन्होंने प्राचीन काल से सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा व्याप्त है इसकी जानकारी दी जिसमें सुश्रुत,चरक,रामानुजन आदि की चर्चा की। साथ ही अभी बताया कि हमारा छत्तीसगढ़ अपने आप में सभी प्रकार से समृद्ध है छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक विरासत की चर्चा की। भारतीय ज्ञान परंपरा पर इस विषय को रखना नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करना ही है।

प्रथम तकनीकी सत्र में भूगोल विभाग से डॉक्टर टी एल वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा मैं प्रारंभ से नालंदा तक्षशिला आदि विश्वविद्यालय की चर्चा की। तथा यह बताया कि 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे तथा विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉक्टर पलक अग्रवाल पेरिस से जुड़ी थी जिन्होंने ब्रेजिंग मॉडर्न मेडिसिन इन ट्रेडीशनल मेडिसिन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस तकनीकी सत्र में ऑफलाइन, ऑनलाइन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

भोजन उपरांत तकनीकी सत्र में डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव चेयरपर्सन के रूप में थे। चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉक्टर सुषमा शुक्ला अतिथि वक्ता के रूप में वर्जीनिया विश्वविद्यालय से जुड़ी थी।। कार्यक्रम के समापन सत्र में सिंधी समाज से श्री लदा राम नैनवानी विशिष्ट अतिथि श्री सतीश छुगानी, तथा श्री मुरलीधर शादीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य तथा वर्तमान में विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी, डॉ प्रीतिमिश्रा, अनेक महाविद्यालय से प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर सुषमा तिवारी, डॉ रवि शर्मा, डॉ अंजना पुरोहित, डॉ संगीता झा ने किया। डॉ शीला दुबे, डॉ सिरिल डेनियल, डॉ प्रभा वर्मा, डॉ मीना पाठक ,डॉ मीता अग्रवाल डॉ वैशाली गौतम, डॉ वर्षा वर्मा डॉ लक्ष्मी देओनानी एवं अन्य प्राध्यापकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में कुल 52 शोध पत्र ऑफलाइन तथा ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए

HEAD CLERK
OFFICE

Principal
Chief Guest

ce Girls' College
DISCIPLINARY
ERENCE (Blend
d by
HA
ber 2024
Commerce in t
Sharma
Co-ordinator

ce Girls' Colle
DISCIPLINARY
ERENCE (Blend
d by
HA
ber 2024
Commerce in
Sharma
-ordinator

merce Girls' College
MULTIDISCIPLINARY
CONFERENCE (Blend
Organized by
PM-USHA
7 December 2024
Arts and Commerce in th
Convener
Dr Kavita Sharma
M-USHA Co-ordinator

nd Commerce Girls'
Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCI
NATIONAL CONFERE
Organized b
PM-USHA
17 December 2
ring Science, Arts and Co
Convener
Dr Kavita Sha
PM-USHA Co-o

College, Raipur C.G.
d mode)
ndian Knowledge System"
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

College, Raipur C.G.
ed mode)
Indian Knowledge System"
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

SGS Govt. A
oots and Horizon
Organizing Secretor
B D Thadlani, Dr Cyril
Assistant Professor

Principal
Chief Guest
Guest Speaker

Organised by
PM-USHA

Click Here
Principal
Chief Guest

Principal
Chief Guest
Guest Speaker

JOURNAL OF TECHNOLOGY
Roots and Horizons: Exploring Science, Arts, and Com
Indian Knowledge System
VOLUME 12 ISSUE 12, 2024
ONE DAY MULTIDISCIPLINA
ERNATIONAL CONFERENCE (Blend
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Principal
Guest Speaker

SGS Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"
Chief Guest
Guest Speaker

SGS Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"
Organizing Secretory
Dr B D Thadani, Dr Cyril Daniel
Assistant Professor
Convener
Dr Kavita Sharma
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal
Chief Guest
Guest Speaker
स्थापित 1982

the Indian Knowledge

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"
Chief Guest
Guest Speaker
स्थापित 1982

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode
Principal
Chief Guest
Guest Speaker

Chief Guest

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
27 December 2024
Chief Guest
Guest Speaker
ज्ञानं परमं ध्येयम्

Girls' College
CIPLINARY
NCE (Blended

College, Raipur
led mode)
e Indian Knowledge S
Dr Dinesh Kur

rls' College, Raipur C.G.
NARY
lended mode)
in the Indian Knowledge System"

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Principal
Chief Guest

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Principal

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Incredible
India

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Organizing Secretary
Dr B D Thadlani, Dr Cyril Daniel
Assistant Professor
Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal
Chief Guest

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"
Organizing Secretary
Dr B D Thadlani, Dr Cyril Daniel
Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal
Chief Guest
Guest Speaker
ज्ञानं परमं ध्येयम्
विज्ञान एवं गृहविज्ञान
स्थापित 1982

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator
WELCOME

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
PM-USHA
Principal
Chief Guest

ege, Raipur C.G.
ode)
n Knowledge System"
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

S G S Go
and Commerce Girls' Co
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
TERNATIONAL CONFERENCE (Blended
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
ce, Arts and Commerce in the In
Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator

SGS Govt. Arts
"Roots and Horizons:
Organizing Secretory
D Thadlani, Dr Cyril Da
Assistant Professor
MULTI DISCIPLINARY
INTERNATIONAL
CONFERENCE

ONE DAY
Science,

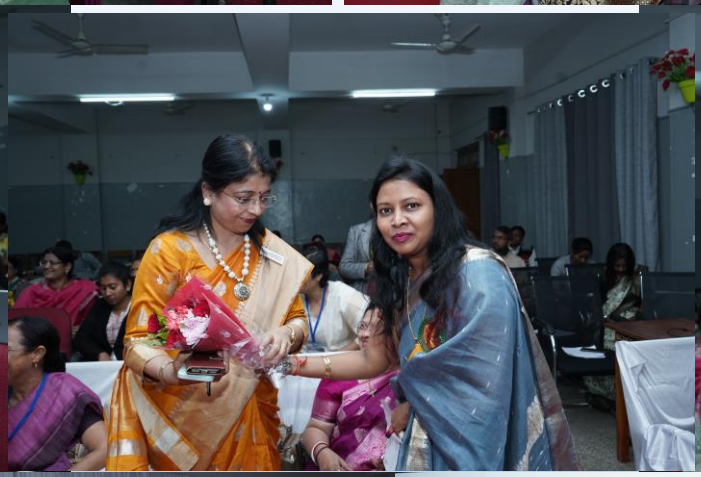

S G S Govt. Ar
"Roots and Horizons
Organizing Secretory
Dr B D Thadlani, Dr Cyril
Assistant Professor

merce Girls' College, Raipur C.G.
MULTIDISCIPLINARY
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal

SGS Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA

SGS Govt. Arts and Commerce Girls' College, Raipur C.G.
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode)
Organized by
PM-USHA
17 December 2024
"Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System"
Organizing Secretory
Convener
Dr Kavita Sharma
PM-USHA Co-ordinator
Patron
Dr Dinesh Kumar Verma
Principal
Principal
Chief Guest
Guest Speaker

Commerce Girls' Co
DAY MULTIDISCIPLIN
NAL CONFERENC
ur C.G.
Organized by
PM-USHA
17 December
ence, Arts and C
Conven
PM-USHA Co

ur C.G.
ystem"

' College, Raipur
RY
nded mode)
the Indian Kn

' College,
RY
nded mode)
the

ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
INTERNATIONAL CONFERENCE (Blended mode
Organized by
PM-USHA
17 December 2024

Principal
Chief Guest

Chief Guest
Principal

Chief Guest

Chief Guest

Chief Guest

Principal
Chief Guest

Chief Guest
विशिष्ट अतिथि

ONE DAY MULTIDIS
Exploring Scienc

Certificate

Shri Gobindram Shadani
Govt. Arts & Commerce Girls' College
Devendra Nagar, Raipur, C.G.
Certificate

Certificate

S G S Govt. Arts and Commerce Girls' C
ONE DAY MULTIDISCIPLINARY
Organized by
PM-USHA
17 December 2024

Shri Gobindram Shadani
Govt. Arts & Commerce Girls' College
Devendra Nagar, Raipur, C.G.
Certificate

Raipur C.G.

Shri Gobindram Shadani
Govt. Arts & Commerce Girls' College
Devendra Nagar, Raipur, C.G.
Certificate

Raipur C.G.

C.G.

TheHitavada
Raipur City Line | 2024-12-20 | Page- 4
ehitavada.com

International conference organised at Devendra Nagar Girls College, Raipur

■ **Staff Reporter**
RAIPUR, Dec 19

SHRI Govind Ram Shadani Government Arts and Commerce Girls College, Raipur, organised a one-day international conference on the theme 'Roots and Horizons: Exploring Science, Arts and Commerce in the Indian Knowledge System'.

Secretary Higher Education Department Dr Prasanna R was the Chief guest. The event was held under the guidance and leadership of the college principal, Dr D K Verma and program coordinator Dr Kavita Sharma.

In her welcome address, Dr Kavita Sharma provided details about the participating research scholars from the country and overseas. The seminar's research papers were compiled and published in a UGC CARE-listed journal, which was released by the Chief guest Secretary Higher Education Department Dr Prasanna R. In his address, Chief guest Dr Prasanna R praised the seminar and stated that organising such an event on the Indian Knowledge System following the implementation of the National Education Policy (NEP) is a commendable idea. He emphasised documenting not only the Indian knowledge tradition but also the rich cultural and knowledge heritage of Chhattisgarh.

The keynote speaker, Joint Director of Higher Education Department Professor G A Ghanshyam elaborated on the richness of Indian knowledge traditions since ancient times and stressed the need to advance this heritage in the context of contemporary knowledge. In the first technical session, Dr T L Verma from the Geography Department discussed ancient universities like Nalanda and Takshashila within the framework of the Indian knowledge tradition. Dr Palak Agarwal from Paris presented her lecture on 'Bridging Modern Medicine with Traditional Medicine'.

After lunch, in the second technical session Dr Prashant Srivastava served as the resource person, while Dr Brahma chaired the fourth session. Five offline and five online research papers were presented. Dr Sushma Shukla, a guest speaker from Virginia University addressed the fourth session.

Secretary Higher Education Department Dr Prasanna R addressing the international conference.

सांध्य दैनिक न्यूक्लीयर न्यूज

देवेंद्र नगर गर्ल्स कॉलेज रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन

रायपुर (राजिम) (न्यूक्लीयर न्यूज)। श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन किया गया जिसका विषय था -रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम-। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर डी के वर्मा के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ कविता शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉक्टर कविता शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस संगोष्ठी में शामिल शोध विद्यार्थी यो की जानकारी दी जिसमें भारत से 220 तथा नीदरलैंड फ्रांस पेरिस किया बोस्टन से विशेषज्ञ तथा शोधार्थी शामिल है। संगोष्ठी के शोध पत्रों का संकलन यूजीसी केयर लिस्ट की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि माननीय सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ प्रसन्ना आर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिव माननीय सचिव प्रसन्ना आर ने संगोष्ठी की तारीफ की तथा कहां ठुद्दश्य के बाद इंडियन नॉलेज सिस्टम पर संगोष्ठी का आयोजन बहुत अच्छा विचार है । शोध प्रशंसा की तथा उनका मुख्य ध्यान भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ ज्ञान परंपरा के डॉक्यूमेंटेशन पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक सामाजिक परंपरा में अत्यंत समृद्ध है तथा इसका डॉक्यूमेंटेशन अवश्य किया जाना चाहिए। अतः आवश्यक है कि इससे अन्य संस्कृतियों के साथ मिलकर आगे विकसित किया जाए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन प्रोफेसर जी ए घनश्याम थे। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रारंभ से ही अत्यंत समृद्ध रही है अतः आवश्यक है कि हम इसे वर्तमान ज्ञान के परिपेक्ष में आगे बढ़ाएं। उन्होंने प्राचीन काल से सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा व्याप्त है इसकी जानकारी दी जिसमें सुश्रुत,चरक,रामानुजन आदि की चर्चा की। साथ ही अभी बताया कि हमारा छत्तीसगढ़ अपने आप में सभी प्रकार से समृद्ध है छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक विरासत की चर्चा की। भारतीय ज्ञान परंपरा पर इस विषय को रखना नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करना ही है।

प्रथम तकनीकी सत्र में भूगोल विभाग से डॉक्टर टी एल वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा मैं प्रारंभ से नालंदा तक्षशिला आदि विश्वविद्यालय की चर्चा की। तथा यह बताया कि 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे तथा विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे। प्रथम तकनीकी सत्र में डॉक्टर पलक अग्रवाल पेरिस से जुड़ी थी जिन्होंने बेजिंग मॉडर्न मेडिसिन इन ट्रेडीशनल मेडिसिन पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस तकनीकी सत्र में ऑफलाइन, ऑनलाइन शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। भोजन उपरांत तकनीकी सत्र में डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव चेयरपर्सन के रूप में थे। चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉक्टर सुषमा शुक्ला अतिथि वक्ता के रूप में वर्जीनिया विश्वविद्यालय से जुड़ी थी।। कार्यक्रम के समापन सत्र में सिंधी समाज से श्री लदा राम नैनवानी विशिष्ट अतिथि श्री सतीश छु गानी, तथा श्री मुरलीधर शादीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से महाविद्यालय की पूवं प्राचार्य तथा वर्तमान में विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी, डॉ प्रीतिमिश्रा, अनेक महाविद्यालय से प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर सुषमा तिवारी, डॉ रवि शर्मा, डॉ अंजना पुरोहित, डॉ संगीता झा ने किया । डॉ शीला दुबे, डॉ सिरिल डेनियल, डॉ प्रभा वर्मा, डॉ मीना पाठक ,डॉ मीता अग्रवाल डॉ वैशाली गौतम, डॉक्टर वर्षा वर्मा डॉ लक्ष्मी देओनानी ने सहभागिता की । कार्यक्रम में कुल 52 शोध पत्र ऑफलाइन तथा ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए

'शुरू से ही समृद्ध रही है भारतीय ज्ञान परंपरा'

श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्तागण। ●सौ. कालेज

नईदुनिया (वि.), रायपुर : श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जहां 'रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नालेज सिस्टम' विषय पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता उच्च शिक्षा के संयुक्त संचालक प्रोफेसर जीए घनश्याम ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रारंभ से ही अत्यंत समृद्ध रही है। आवश्यक है कि हम इसे वर्तमान ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में आगे बढ़ाएं। उन्होंने प्राचीन काल से सभी विषयों में व्याप्त भारतीय ज्ञान परंपरा की जानकारी दी, जिसमें सुश्रुत, चरक, रामानुजन आदि की चर्चा की। भूगोल विभाग से डा. टीएल वर्मा ने नालंदा, तक्षशिला आदि विश्वविद्यालय की चर्चा की। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति से हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे और विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे। डा. पलक अग्रवाल पेरिस से जुड़ी थीं, जिन्होंने ब्रेजिंग माडर्न मेडिसिन इन ट्रेडिशनल मेडिसिन पर व्याख्यान दिया। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डा. प्रसन्ना आर ने भी अपने विचार रखे।

वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अमृत संदेश । रायपुर

आज श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर डी के वर्मा के निर्देशन एवं कुशल मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ कविता शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयोजक डॉक्टर कविता शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस संगोष्ठी में शामिल शोध विद्यार्थी यो की जानकारी दी जिसमें भारत से 200 तथा नीदरलैंड फ्रांस पेरिस किया बोस्टन से विशेषज्ञ तथा शोधार्थी शामिल है। संगोष्ठी के शोध पत्रों का संकलन यूजीसी केयर लिस्ट की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि माननीय सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ प्रसन्ना आर के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिव माननीय सचिव प्रसन्ना आर ने संगोष्ठी की तारीफ की तथा कहां के बाद इंडियन नॉलेज सिस्टम पर संगोष्ठी का आयोजन बहुत अच्छा विचार है।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Raipur Raipur Bhoomi - 18 Dec 2024 - Page 9

आयाजत का गइ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे

छत्तीसगढ़ की सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा समृद्ध, इसे बचाने डॉक्यूमेंटेशन जरूरी

रायपुर। श्री गोविंद राम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका विषय रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम रखा गया था। संयोजक डॉ. कविता शर्मा ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर आधारित इस संगोष्ठी में शामिल शोध विद्यार्थियों को जानकारी दी। संगोष्ठी के शोधपत्रों का संकलन यूजीसी केयर लिस्ट की शोध पत्रिका का विमोचन मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग के डॉ. प्रसन्ना

50 शोधपत्र किए प्रस्तुत

तकनीकी सत्र में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, चतुर्थ सत्र में डॉ. ब्रह्म रिसोर्स पर्सन चेयरपर्सन के रूप में थे। इस सत्र में भी पांच ऑफलाइन तथा पांच ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। चतुर्थ तकनीकी सत्र में डॉ. सुषमा शुक्ला वक्ता के रूप में वर्जीनिया विश्वविद्यालय से जुड़ीं।

आर. द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने शोध को सराहा। इस दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ ज्ञान परंपरा के डॉक्यूमेंटेशन पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक सामाजिक परंपरा में अत्यंत समृद्ध है तथा इसका डॉक्यूमेंटेशन अवश्य किया जाना चाहिए। अतः आवश्यक है कि इससे अन्य संस्कृतियों के साथ मिलकर आगे विकसित किया जाए।

प्राचीनकाल के सभी विषयों में भारतीय ज्ञान

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन प्रो. जीए. घनश्याम थे। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा प्रारंभ से ही अत्यंत समृद्ध रही है, अतः आवश्यक है कि हम इसे वर्तमान ज्ञान के परिपेक्ष में आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा व्याप्त है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन करना ही है। प्रथम तकनीकी सत्र में भूगोल विभाग से डॉ. टीएल वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रारंभ से नालंदा, तक्षशिला आदि विश्वविद्यालयों की चर्चा की। बताया कि 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे। विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में सिंधी समाज से लधाराम नैनवानी, विशिष्ट अतिथि सतीश छुगानी, मुरलीधर शादीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीके वर्मा के निर्देशन व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कविता शर्मा द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का डॉक्यूमेंटेशन जरूरीः प्रसन्ना आर

सिटी रिपोर्टर | देवेंद्र नगर स्थित गर्ल्स कॉलेज में महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। "रूट एंड होराइजंस एक्सप्लोरिंग साइंस आर्ट्स एंड कॉमर्स इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में देशभर से 200 शिक्षाविद शामिल हुए। संगोष्ठी में सचिव उच्च शिक्षा विभाग डॉ. प्रसन्ना आर ने कहा कि इंडियन नॉलेज सिस्टम पर चर्चा जरूरी है। इसके लिए संगोष्ठी का आयोजन होना चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की ज्ञान परंपरा के डॉक्यूमेंटेशन पर कार्य होना चाहिए। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, सामाजिक परंपरा अत्यंत समृद्ध है। ऐसे में हमें साथ मिलकर इसे विकसित करना होगा। संगोष्ठी में मौजूद डॉ. टीएल वर्मा ने कहा- भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रारंभ से नालंदा तक्षशिला विश्वविद्यालय रहे हैं। 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा हम इस सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा पाएंगे तथा विकासशील भारत को विकसित भारत में परिवर्तित कर पाएंगे।